आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 15.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><>

- चिड़ियाटापू में चार दिवसीय पहला द्वीप पक्षी महोत्सव रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ, वन विभाग के प्रयास से प्रकृति प्रेमियों ने पक्षी संरक्षण और जैव विविधता जागरूकता का उत्सव मनाया स्विफ्टलेट पक्षी पर आधारित नाटक ने जमकर तालियाँ बटोरी।

- सांसद बिष्णु पद रे राजधानी श्री विजयपुरम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा ट्रेड फेयर का उद्घाटन किया। द्वीप समूह में एक हजार लखपति दीदियों का लक्ष्य तय किया।

- आई टी एफ मैदान में दस दिवसीय अंडमान निकोबार पुस्तक मेला शुरू हुआ। मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने पुस्तक मेले का शुभारंभ किया।

- भारत रंग महोत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ने भारतीय रंग परम्परा की विविधता का संजीव प्रदर्शन किया।

<><><><><><><>

पर्यावरण एवं वन विभाग, वन्यजीव प्रभाग कार्यालय उप वन संरक्षक द्वारा कल श्री विजयपुरम में चिड़ियाटापू में अंडमान–निकोबार द्वीप समूह का पहला पक्षी महोत्सव का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वीप समूह के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार ने सिम्फनी समुद्र में आयोजित हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पक्षियों के प्रति जागरुक करने का वन विभाग का यह प्रयास बहुत ही प्रशंसनीय है और उसने यह आयोजन बहुत ही कम समय में करके ये बता दिया है कि काम करने की इच्छा हो तो कोई भी कार्य कठिन नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर भी पक्षियों को बचाने की बात कही। इस अवसर मुख्य वन संरक्षक संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वन विभाग द्वारा ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं कि जिससे पर्यावरण और वन के साथ खिलवाड़ ना हो सकें। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पर्यावरण के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शानदार प्रस्तुतियाँ भी दी। इसके बाद लगभग लुप्त हो चुकी स्विफ्टलेट नामक चिड़िया के पुनः संरक्षण पर आधारित नाटक का मंचन भी किया गया। इस अवसर आकाशवाणी समाचार के साथ बात करते हुए अंडमान–निकोबार द्वीप समूह के उप वन संरक्षक संदीप दिव्यज्योति बेहेरा ने कहा

<><><><><><><>

राजधानी श्री विजयपुरम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा ट्रेड फेयर का भव्य उद्घाटन हुआ। यह दो दिवसीय प्रदर्शनी–व्यापार मेला कल से गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुरू हो गया। आयोजन का संचालन सूक्ष्म लघु एंव मध्यम मंत्रालय, भारत सरकार के ब्रांच एमएसएमई–डेवलपमेंट एंड फैसिलिटेशन ऑफिस, डॉलीगंज इंडस्ट्रियल एस्टेट द्वारा किया गया। इस मेले में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों और एमएसएमई उद्यमियों ने सत्तर से अधिक स्टाल लगाए हैं, जिनमें पारंपरिक उत्पाद, शिल्पकला और तकनीकी कौशल प्रदर्शित किए गए। उद्घाटन समारोह में सांसद बिष्णु पद रे उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच करोड़ लाखपति दीदियों के राष्ट्रव्यापी लक्ष्य की सराहना की। सांसद ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह से कम से कम एक हजार लाखपति दीदियों का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, वित्तीय संस्थाओं और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सांसद ने स्टालों का भ्रमण किया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद रहित उपचार–राहत योजना शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस योजना के अंतर्गत सडक दुर्घटना के पीडित, दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक डेढ लाख रुपये तक का नकदी रहित उपचार प्राप्त करने के पात्र होंगे। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि अस्पतालों को इलाज के खर्च का भुगतान मोटर व्हीकल दुर्घटना कोष से किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि कल नई दिल्ली के सेवा तीर्थ से प्रधानमंत्री राहत योजना की शुरुआत नागरिक प्रथम दृष्टिकोण को दर्शाती है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुस्तक मेले के द्वितीय संस्करण का शुभारंभ कल आईटीएफ मैदान में "पृष्ठ पलटें, भविष्य गढें" वाक्य के साथ हुआ। दस दिवसीय इस साहित्यिक आयोजन का उद्घाटन प्रशासन के मुख्य सचिव डा. चंद्र भूषण कुमार ने किया। इस अवसर पर दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त पूर्वा गर्ग, कला एवं संस्कृति सचिव ज्योति कुमारी तथा National Book Trust, के अध्यक्ष मिलिंद सुधाकर मराठे सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, विद्यार्थी और पुस्तक प्रेमी उपस्थित रहे। मुख्य भूमि से आए इकतीस प्रकाशकों ने विभिन्न विधाओं और भाषाओं की पुस्तकों के साथ अपने स्टाल लगाए हैं। प्रमुख सहभागियों में Sahitya Akademi, Rashtriya E&Pustakalay, Ramakrishna Mission तथा अन्य संस्थाएं शामिल हैं। मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारत और जनगणना संचालन निदेशालय ने भी अपने स्टाल स्थापित किए हैं। 300 से

अधिक विद्यार्थियों ने चित्रांकन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मेला 22 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 11 से रात्रि 8 बजे तक खुला रहेगा।

<><><><><><>

द्वीपों में आयोजित तीन दिवसीय नाट्य उत्सव के दूसरे दिन नाटक ''मै री मैं का से कहूँ'' का मंचन श्री विजयपुरम स्थित डा. बी. आर. अम्बेडकर सभागार में हुआ। कला एवं संस्कृति निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित यह उत्सव पच्चीसवें भारत रंग महोत्सव का अंग है, जो राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का अंतरराष्ट्रीय रंग समारोह है। विजयदान देथा द्वारा रचित और अजय कुमार द्वारा निर्देशित इस नाटक में कठोर सामाजिक बंधनों में जकडी एक स्त्री की मौन वेदना को मार्मिक रूप से अभिव्यक्त किया गया। ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित कथा में पितृसत्तात्मक व्यवस्था, भावनात्मक एकाकीपन तथा आत्म अभिव्यक्ति की आकांक्षा जैसे विषयों को प्रभावी संवादों और सशक्त अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति से पूर्व राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की रंगमंडली के प्रमुख आर के सिंह ने नाटक की संक्षिप्त जानकारी दी। उत्सव में नई दिल्ली से आई रंगमंडली द्वारा हिन्दी नाटकों की प्रस्तुति भारतीय रंग परंपरा की विविधता को उजागर कर रही है। आज शाम 6 बजे 'बाबूजी' नाटक का मंचन किया जाएगा।

<><><><><><>

लिटिल अंडमान स्थित विस्तार कार्यालय में कल एक माह का काष्ठ हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का आयोजन सामुदायिक विकास खंड, लिटिल अंडमान द्वारा उद्योग विभाग के सहयोग से दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों में कौशल विकास को प्रोत्साहित करना तथा उनके लिए स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करना है। उद्घाटन अवसर पर वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डा. के. मोहम्मद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जनक राव विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आर्थिक सशक्तिकरण के लिए हस्तशिल्प जैसे परंपरागत कौशलों को आधुनिक बाजार से जोडने पर बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 चयनित प्रतिभागियों का नामांकन किया गया। आगामी एक माह के दौरान प्रतिभागियों को काष्ठ हस्तशिल्प निर्माण की विविध तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे स्वरोजगार के अवसर विकसित कर सकें।

<><><><><><>